

---

# Aditikritam Divakara Stotram

---

## अदितिकृतं दिवाकरस्तोत्रम्

---

### Document Information

Text title : Aditikritam Divakara Stotram

File name : aditikRRitaMdivAkarastotram.itx

Category : navagraha, mArkaNDeyapurANa, stotra

Location : doc\_z\_misc\_navagraha

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : mArkaNDeyapurANa | adhyAya 101/32-38||

Latest update : October 12, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

October 12, 2024

*sanskritdocuments.org*

---

अदितिकृतं दिवाकरस्तोत्रम्



सा ददर्श महाकूटं तेजसोऽम्बरसंश्रितम् ।  
जगाद मे प्रसीदेति न त्वां पश्यामि गोपते ॥ ३२ ॥  
यथा दृष्टवती पूर्वमम्बरस्थं सुदुर्दृशम् ।  
निराहारा विवस्वन्तं तपन्तं तदनन्तरम् ॥ ३३ ॥  
सङ्घातं तेजसां तद्वदिह पश्यामि भूतले ।  
प्रसादं कुरु पश्येयं यद्रूपं ते दिवाकर ।  
भक्तानुकम्पक विभो भक्ताहं पाहि मे सुतान् ॥ ३४ ॥  
त्वं धाता विसृजसि विश्वमेतत्त्वं पासि स्थितिकरणाय सप्रवृत्तः ।  
त्वय्यन्ते लयमखिलं प्रयाति तत्त्वं त्वत्तोऽन्या न हि गतिरस्ति सर्वलोके ॥ ३५ ॥  
त्वं ब्रह्मा हरिरजसंज्ञितस्त्वमिन्द्रो वित्तेशः पितृपतिरप्यतिः समीरः ।  
सोमोऽग्निर्गगनपतिर्महीधरोऽब्धिः किं स्तव्यं तव सकलात्मरूपधाम्नः ॥ ३६ ॥  
यज्ञेश त्वामनुदिनमात्मकर्मसक्ताः स्तुन्वन्तो विविधपदैर्द्विजा यजन्ति ।  
ध्यायन्तो विनियतचेतसो भवन्तं योगस्थाः परमपदं प्रयान्ति मर्त्याः ॥ ३७ ॥  
तपसि पचसि विश्वं पासि भस्मीकरोषि  
प्रकटयसि मयूखैर्हृदयस्यम्बुगर्भैः ।  
सृजसि कमलजन्मा पालयस्यच्युताख्यः  
क्षपयसि च युगान्ते रुद्ररूपस्त्वमेकः ॥ ३८ ॥  
इति श्रीमार्कण्डेयपुराणे एकाधिकशततमाध्यायान्तर्गतं  
अदितिकृतं दिवाकरस्तोत्रं समाप्तम् ।  
मार्कण्डेयपुराण । अध्याय १०१/३२-३८ ॥

*Aditikritam Divakara Stotram*

pdf was typeset on October 12, 2024

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

